

- प्रस्थान वि. जिसके साथ बुरा आचरण किया गया हो जैसे- अपचारित सेवक।
- अपचायक** पुं. (तत्.) (रसायन) [अप+चायक] वह रासायनिक पदार्थ जो दूसरे पदार्थों से अभिक्रिया करने पर उसकी संघटना को न्यून कर देता है या उसका अपचयन कर देता है।
- अपचार** पुं. (तत्.) 1. गलत काम, छोटा-मोटा अपराध 2. अनुचित बर्ताव, बुरा आचरण, कुव्यवहार, अनिष्ट व्यवहार 3. बुराई, निंदा।
- अपचारक** वि. (तत्.) [अप+चारक] 1. अपचार या दुराचार करने वाला 2. दुष्कर्मी, नीच 3. अविश्वासी।
- अपचारिता** स्त्री. (तत्.) 1. किशोरों द्वारा किए गए छोटे-मोटे गैरकानूनी कृत्य 2. कर्तव्यों का अपालन। delinquency
- अपचारी** वि. (तत्.) 1. अपचार करने वाला 2. दुराचारी, दुष्ट।
- अपचारी बालक** पुं. (तत्.) छोटे-मोटे आपराधिक कृत्य करने वाले किशोर। delinquent child
- अपचित** वि. (तत्.) [अपच+इत] 1. जो पचा न हो जैसे- अपचित भोजन 2. जो अत्यंत क्षीण हो, दुबला-पतला। 3. जिसका व्यय किया जा चुका हो।
- अपचेता** वि. (तत्.) 1. दूसरों के बारे में सदा बुरा सोचने वाला। 2. दूसरों के प्रति मन में सदा दुर्भाव रखने वाला।
- अपच्छाय** वि. (तत्.) [अप+छाया] 1. जो छाया रहित हो। 2. जिसमें छाया न हो 3. जिसकी छाया अच्छी न हो 4. चमक रहित, धुँधला।
- अपच्छेद** पुं. (तत्.) अनुचित अंशों को काट कर निकाल दिया जाना, जैसे- किसी सिनेमा-फिल्म के अश्लील अंशों को हटा देना।
- अपच्छेदन** पुं. (तत्.) 1. किसी वस्तु को काटने की क्रिया या भाव 2. हानि 3. किसी कार्य के बीच होने वाली बाधा या विघ्न।

- अपच्युत** वि. (तत्.) 1. गिरा हुआ 2. बहा हुआ, द्रवित 3. विनष्ट।
- अपजंभ** पुं. (तत्.) चिकि. दोनों जबड़ों के बंद होने की वह स्थिति जब ऊपर-नीचे के दाँत एक सीध में आकर जुड़े या चिपके से प्रतीत हों।
- अपजस** पुं. (तत्.) दे. अपयश।
- अपजात** पुं. (तद्.) माता-पिता की अपेक्षा हीन गुण वाला पुत्र।
- अपटी** स्त्री. (तत्.) [अ+पटी] 1. कनात 2. कपड़े का एक विशेष प्रकार का पर्दा 3. (संस्कृत नाटक में, यवनिका) 4. पर्दा।
- अपटु** वि. (तत्.) जो पटु न हो, कार्य करने में अकुशल, अदक्ष।
- अपटुडेट** वि. (अं.) व्यवहार, विचार या प्रासंगिकता में अद्यतन, अधुनातन। uptodate
- अपटुता** स्त्री. (तत्.) पटुता का न होना, अनाड़ीपन, अनैपुण्य।
- अपठ** वि. (तत्.) 1. अपढ़, अनपढ़, मूर्ख, जो पढ़ा न हो।
- अपठनीय** वि. (तत्.) 1. जो अस्पष्ट होने या अन्य कारणवश पढ़ा जाने योग्य न हो 2. जिसे पढ़ना वर्जित हो।
- अपठित** वि. (तत्.) 1. न पढ़ा हुआ 2. जो पाठ्यपुस्तक में नहीं हो, निर्धारित।
- अपठ्यमान** वि. (तत्.) [अ+पठ्यमान] 1. जो पढ़ा जाने योग्य न हो, या जो पढ़ा न जा रहा हो 2. अपाठ्य जैसे- यह हस्तलेख अपठ्यमान है।
- अपडर** पुं. (तत्.) [(तत्.अप+हि.डर] 1. विषम परिस्थितिजन्य डर या भय 2. भय 3. बहुत बड़ा डर।
- अपढ़** वि. (तद्.) 1. बेपढ़ा, अनपढ़ 2. मूर्ख।
- अपण्य** वि. (तत्.) 1. न बेचने योग्य वस्तु 2. जिसे बेचने का धर्मशास्त्र में निषेध हो।